IB DIPLOMA PROGRAMME
PROGRAMME DU DIPLÔME DU BI
PROGRAMA DEL DIPLOMA DEL BI

M02/030/S(1)T

HINDI *AB INITIO* – STANDARD LEVEL – PAPER 1
HINDI *AB INITIO* – NIVEAU MOYEN – ÉPREUVE 1
HINDI *AB INITIO* – NIVEL MEDIO – PRUEBA 1

Monday 6 May 2002 (morning)
Lundi 6 mai 2002 (matin)
Lunes 6 de mayo de 2002 (mañana)

1 h 30 m

TEXT BOOKLET – INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

- Do not open this booklet until instructed to do so.
- This booklet contains all of the texts required for Paper 1 (Text handling).
- Answer the questions in the Question and Answer Booklet provided.

LIVRET DE TEXTES – INSTRUCTIONS DESTINÉES AUX CANDIDATS

- Ne pas ouvrir ce livret avant d'y être autorisé.
- Ce livret contient tous les textes nécessaires à l'épreuve 1 (Lecture interactive).
- Répondre à toutes les questions dans le livret de questions et réponses.

CUADERNO DE TEXTOS – INSTRUCCIONES PARA LOS ALUMNOS

- No abra este cuaderno hasta que se lo autoricen.
- Este cuaderno contiene todos los textos requeridos para la Prueba 1 (Manejo y comprensión de textos).
- Conteste todas las preguntas en el cuaderno de preguntas y respuestas.

पाठ क

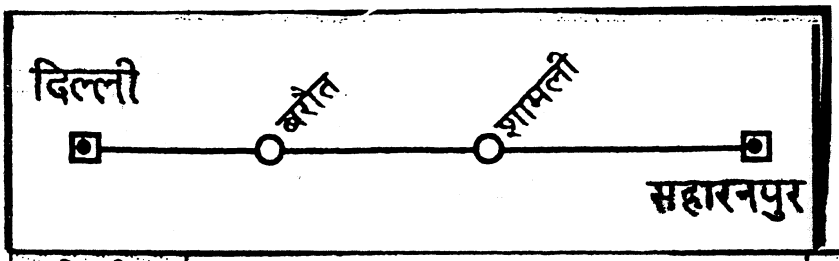

दिल्ली सहारनपुर एक्सप्रेस			नाम गाड़ी		सहारनपुर दिल्ली एक्सप्रेस
4545			नंबर गाड़ी		4546
प्रतिदिन	छूटना		चलने का दिन	पहुँचना	प्रतिदिन
II			श्रेणी		II
	◀ से		टेबल नंबर	को ▶	
17.00	कि.मी.	छू	दिल्ली	प	10.00
17.12	7	छू	दिल्ली शाहदरा	छू	09.46
17.25	16	छू	नोली	छू	09.30
17.47	30	छू	खेकरा	छू	08.56
18.06	40	छू	बागपत रोड	छू	08.35
18.27	56	छू	बड़ौत	छू	08.14
19.10	81	छू	कांधला	छू	07.42
19.45 19.52	95	प छू	शामली	छू प	07.30 07.20
21.20	166	प	सहारनपुर	छू	06.00
प्रतिदिन	पहुँचना		चलने का दिन	छूटना	प्रतिदिन
	◀ को		टेबल नंबर	से ▶	

पाठ ख

श्री प्रेमचंद

जन्म बनारस के पास लमही में १८८० ई० में । असली नाम श्री धनपतराय । आठ वर्ष की आयु में माता और चौदह में पिता का निधन हो गया । अपने बल-बूते पर पढ़े । बी० ए० किया । १९०१ में उपन्यास लिखना शुरू किया । कहानी १९०७ में लिखने लगे । उर्दू में नवाबराय के नाम से लिखते थे । १९१० में सोज़े-वतन ज़ब्त की गयी, उसके बाद प्रेमचंद के नाम से लिखने लगे । १९२० तक सरकारी नौकरी की । फिर सत्याग्रह से प्रभावित हो नौकरी छोड़ दी । १९२३ में 'सरस्वती प्रेस' की स्थापना की और १९३० में 'हंस' का प्रकाशन । ८ अक्टूबर १९३६ को स्वर्गवास हुआ ।

पाठ ग

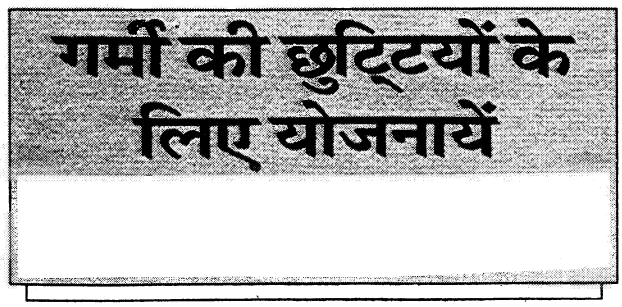

(वार्षिक परीक्षा के बाद, परीक्षा-फल के पहले)

रुचि : रिजल्ट आने में दो दिन। मैं तो उत्सुकता से मरी जा रही हूँ।

अमित : मैं भी। और पता है, मैं नर्वस भी महसूस कर रहा हूँ।

चारु : मगर क्यों? तुमने तो कहा था तुम्हारे पर्चे बिल्कुल ठीक हुए हैं।

अमित : वो तो हुए, पर कौन जाने क्या हो।

मंजीत : चिंता मत करो। सब कुछ ठीक होगा।

रुचि : हाँ, मुझे भी यही आशा है। और अमित, इस गर्मी तुम कहाँ जा रहे हो?

अमित : देहरादून और मसूरी।

चारु : लेकिन अगर मुझे याद है, तुम पिछले साल भी वहीं गये थे।

अमित : हाँ, तुम ठीक कहती हो। असल में, मेरे दादाजी वहां रहते हैं।

मंजीत : तो, वे चाहते हैं तुम अपनी छुट्टियाँ बस उन्हीं के साथ बिताओ, है न?

अमित : हाँ, वो बड़े खुश होते हैं जब हम उनके पास जाते हैं, और मुझे भी उनके साथ बहुत मजा आता है।

चारु : तुम वाकई बड़े भाग्यशाली हो जो तुम्हें ऐसे दादाजी मिले।

अमित : हाँ वो तो मैं हूँ। और तुम लोगों का क्या है?

मंजीत : मैं मुंबई और गोआ जाऊँगा... लेकिन...

रुचि : लेकिन क्या?

मंजीत : वो तभी होगा अगर मैं सत्तर प्रतिशत से जयादा नंबर लाऊँ।

रुचि : ओह, शर्त? पर चिंता मत करो। मुझे विश्वास है तुम उससे भी ज्यादा पाओगे।

मंजीत : धन्यवाद रुचि। और तुम? तुम कहीं जा रही हो?

रुचि : वो, हमारे यहाँ एक शादी है, आगरा में।

चारु : ओह आगरा? जबरदस्त। तुम ताज, लाल किला और फतेहपुर सीकरी भी देख सकती हो।

रुचि : वो सब मैंने पहले ही देख रखे हैं। पर मुझे वहाँ फिर से जाना बहुत अच्छा लगेगा।

चारु : ऐतिहासिक जगहें मुझे हमेशा बहुत भाती हैं।

रुचि : और चारु, तुम्हारा क्या? छुट्टियों की तुम्हारी क्या योजनायें हैं?

चारु : मुझे डर है, मैं तुम लोगों जितनी भाग्यशाली नहीं हूँ। मैं कहीं नहीं जाऊँगी।

पाठ घ

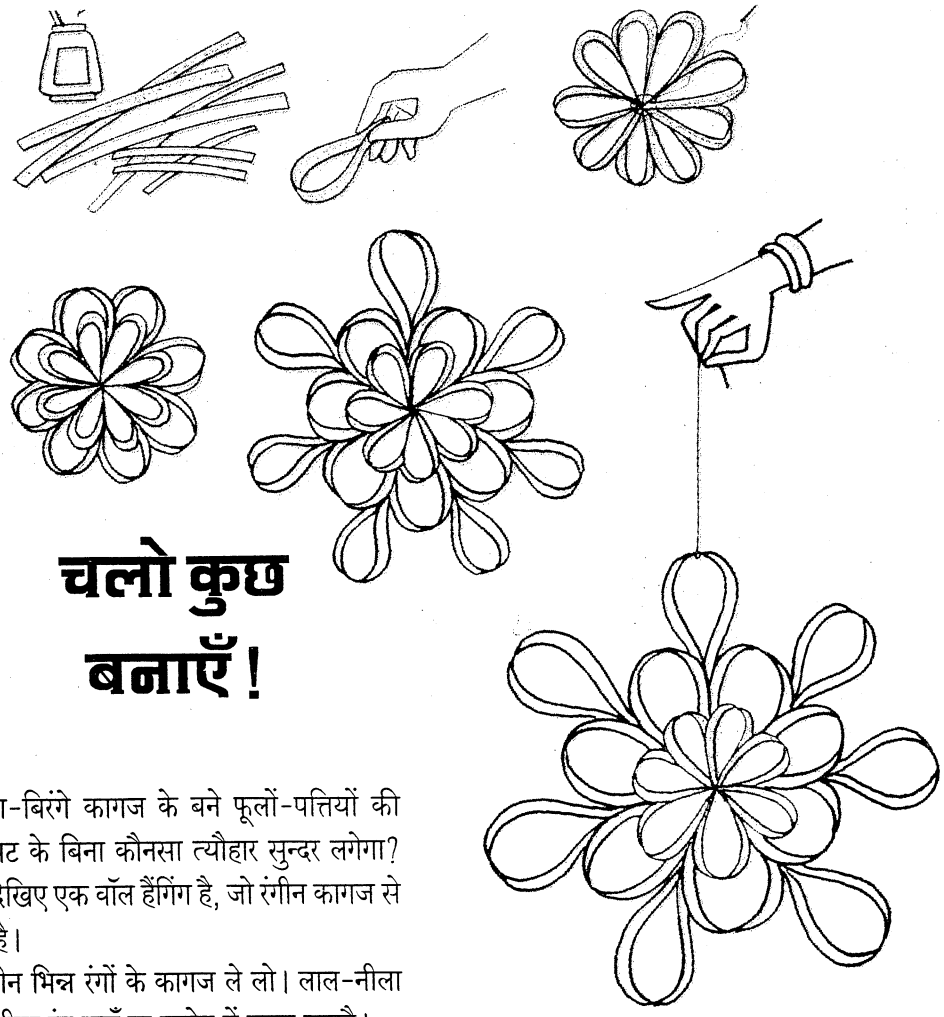

चलो कुछ बनाएँ !

रंग-बिरंगे कागज के बने फूलों-पत्तियों की सजावट के बिना कौनसा त्यौहार सुन्दर लगेगा? यहाँ देखिए एक वॉल हैंगिंग है, जो रंगीन कागज से बनी है।

तीन भिन्न रंगों के कागज ले लो। लाल-नीला और पीला रंग यहाँ पर प्रयोग में लाया गयाहै।

आपके पास एक स्केल, एक पेंसिल, एक जोड़ी कैंची, गोंद और सूई धागा होना चाहिए।

१. सभी रंगों के पेपर के सात हिस्से काट लीजिए और इनके छोरों पर गोंद लगाइए। टुकड़े इन नाप के होने चाहिए : नीला - १५ x १ सें.मी., पीला - १२.५ x १ से.मी., लाल - १० x १ से. का होना चाहिए।

२. नीले रंग के टुकड़े के सँकरे भागों को एक साथ कर लें और उन्हें मध्य में सी दें। उसके किनों को चिपका दे जहाँ वे एक-दूसरे से मिलते है।

३. लाल रंग के टुकड़ों को नीले रंग के टुकड़ों के भीतर लगाओ। पीले रंग के टुकड़े दो नीले टुकड़ों के बीच में लगाए जाएँगे।

४. एक लूप में धागा लगाकर इस तैयार हैंगिंग को दिवार पर टाँग दो।

आप लोग यह हैंगिंग बनाने के लिए किसी और वस्तु और रंगों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इसका नाप छोटा बड़ा भी हो सकता है, जो आँखों को अच्छा लगे।